उत्तराखण्ड सरकार
सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
मुख्यमंत्री आवास, न्यू कैंट रोड़, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 17 अप्रैल, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–04(04/69)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सोमवार को रुड़की में डॉ.भीमराव अम्बेडकर के 126वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उनके चित्र में माल्यार्पण कर श्रद्धांजली अर्पित की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ.भीमराव अम्बेडकर एक प्रतिभावान व्यक्ति थे। परन्तु देश की आजादी के उपरान्त भी उन्हें वह सम्मान नहीं मिला जिसके वह हकदार थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उनके जीवन से सम्बन्धित स्थानों को पंचतीर्थ के रुप में विकसित किया जा रहा है। हमारी केंद्र और राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास के रोडमैप पर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री रावत कहा कि डॉ.भीमराव अम्बेडकर हिन्दी के प्रबल समर्थक थे। हमें भी हिन्दी को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संकल्प लिया गया है कि वर्ष 2022 तक देश में कोई अशिक्षित एवं बेघर नहीं रहेगा। प्रधानमंत्री सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के द्वारा किसानों सहित देश के आमजन विकास करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों का अधिकतम बकाया चुका दिया जायेगा। इसके लिये 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। प्राईवेट मिलों को भी निर्देशित कर दिया गया है कि किसानों का बकाया चुका दिया जाय। भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलते हुये उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जीरो टोलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। भ्रष्टाचारियों और कानून को हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाही की जायेगी।

इस अवसर पर सांसद डॉ.रमेश पोखरियाल 'निशंक', कैबिनेट मंत्री श्री मदन कौशिक, विधायक श्री प्रदीप बत्रा एवं श्री देशराज कांडवाल उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 17 अप्रैल, 2017(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–03(04/68)**

सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में वालनट एंड अदर नट फ्रूट ग्रोवर्स एसोसिशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री के.सी. पाण्डेय ने मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत से भेंट कर प्रदेश में अखरोट के विस्तार के लिए अनेक सुझाव दिए। मुख्यमंत्री श्री रावत ने कहा कि हॉर्टीकल्चर के माध्यम से उत्तराखण्ड के गांवों से पलायन को कम किया जा सकता है। पर्वतीय क्षेत्रों में अखरोट की बहुत सम्भावनाएं हैं। मुख्यमंत्री श्री रावत ने श्री पाण्डेय द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अखरोट को प्रोत्साहित करने के लिए वानगई (वालनट एंड अदर नट फ्रूट ग्रोवर्स एसोसिशन ऑफ इंडिया) संस्था के अनुभव का लाभ लिया जाएगा। श्री पाण्डेय द्वारा दिए गए सुझावों पर विचार करने के लिए मुख्यमंत्री श्री रावत ने मंगलवार को संबंधित अधिकारियों की बैठक भी बुलाई है।

वानगई के अध्यक्ष श्री के.सी.पाण्डेय ने मुख्यमंत्री को सुझाव दिया कि वालनट एंड अदर नट डेवलपमेंट बोर्ड की उत्तराखण्ड में स्थापना की जाए। किसानों को अखरोट की अच्छी प्रजाति के कलमी पौधे उपलब्ध करवाए जाएं। अखरोट के प्रचार प्रसार के लिए अलग से बजट का प्राविधान किया जाए। पंतनगर व भरसार विश्वविद्यालयों में वालनट एवं अन्य नट पर शोध करने को बढ़ावा दिया जाए। पर्वतीय जिलों युवाओं को चिन्हित किया जाए व कागजी अखरोट के पौधे तैयार करने के लिए वेजीटेटिव प्रोपेगेशन ट्रेनिंग को बढ़ावा दिया जाए। भारत सरकार को अखरोट क्षेत्रफल विस्तार, आदि के प्रस्ताव भेजे जाएं।

देहरादून 17 अप्रैल, 2017(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–02(04/67)**

पोलेण्ड का ओपोले प्रांत व उत्तराखण्ड राज्य योग व आयुर्वेद के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों ही प्रान्तीय सरकारों में इस पर सहमति बन गई है। पोलेण्ड के विदेश मंत्रालय द्वारा इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय से स्वीकृति प्राप्त होते ही उत्तराखण्ड सरकार व पोलेण्ड के ओपोले प्रान्त की सरकार के बीच स्टेट टू स्टेट समझौता ज्ञाप पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में ओपोले प्रान्त के मार्शल श्री एंड्रजे बुला के प्रतिनिधि के तौर पर पोलेण्ड स्थित सुलिस्ला योगा आयुर्वेद इंस्टीट्यूट के संस्थापक श्री जेर्जी बार व श्रीमती बिएटा बार ने मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिह रावत को इस संबंध में आधिकारिक पत्र सौंपा। पोलेण्ड में भारतीय राजदूत श्री अजय बिसारिया द्वारा भी इसके लिए संस्तुति की गई है। सुलिस्ला योगा आयुर्वेद इंस्टीट्यूट पोलेण्ड में 700 एकड़ क्षेत्र में विकसित की गई है। बार दम्पत्ति ने मुख्यमंत्री को सुलिस्ला में चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय योगा व आयुर्वेद सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए भी आमंत्रित किया है। ओपोले मेडिकल कॉलेज द्वारा उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के साथ कार्य करने के लिए भी प्रस्ताव किया गया है। इस संबंध में भी मुख्यमंत्री श्री रावत को पत्र सौंपा गया।

मुख्यमंत्री श्री रावत ने कहा कि उत्तराखण्ड योग की भूमि है। योग व आयुर्वेद के क्षेत्र में मिलकर काम करने से पोलेण्ड का ओपोले प्रान्त व उत्तराखण्ड राज्य परस्पर लाभान्वित होंगे। प्रतिनिधिमण्डल में भारत के पूर्व राजदूत श्री सी.एम. भण्डारी भी शामिल थे। श्री भण्डारी मूल रूप से रानीखेत के हैं और वर्तमान में वे अपने गांव मारवा में इको पर्यटन, योगा व आयुर्वेद पर काम कर रहे हैं। तय किया गया कि मारवा गांव की तर्ज पर इको पर्यटन, योगा व आयुर्वेद के मॉडल को कुछ अन्य गांवों में भी विकसित किया जाए। श्री जेर्जी बार ने कहा कि वे प्रयास करेंगे कि अधिक से अधिक पोलेण्ड के पर्यटक आएं और यहां योग व आयुर्वेद से लाभान्वित हों। इस अवसर पर केबिनेट मंत्री श्री प्रकाश पंत भी उपस्थित थे। प्रतिनिधिमण्डल ने बाद में मुख्य सचिव श्री एस रामास्वामी से भी भेंट की।

देहरादून 17 अप्रैल, 2017(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–01(04/66)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कोटद्वार के सर संघ संचालक श्री केशवानंद ध्यानी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री रावत ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

रवि बिजारनियां, सहायक निदेशक : 7055007012